आचार्य (संस्कृत साहित्य)

द्विवर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम

(प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ सेमेस्टर)

नियम, परिनियम एवं पाठ्यक्रम

प्राच्य संस्कृत विभाग

कला संकाय

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ–226007

आचार्य (संस्कृत साहित्य) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर पद्धति को लागू करने की दृष्टि से आचार्य (संस्कृत–साहित्य) के प्रमुख पाठ्यक्रम को सी0बी0सी0एस0 पद्धति के अनुसार परिवर्तित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम द्विवर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम है। प्रत्येक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। जिन्हें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के रूप में जाना जायेगा। प्रत्येक सेमेस्टर 24–24 क्रेडिट का होगा। पूरे कार्यक्रम को 96 क्रेडिट प्रदान किये जायेंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 6 (Six) प्रश्नपत्र होंगे। पाठ्यक्रम में Core-Course अर्थात् मुख्य विषय के अतिरिक्त GE, DSE, Value Edded एवं Skit Enhancement के कोर्स भी सम्मिलित किये जा रहे हैं। जिनका विस्तृत विवरण आगे दिया जायेगा।

Programme Out Come

आचार्य (संस्कृत साहित्य) कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी की योग्यता:–

- इस कार्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की विविध विशेषताओं का ज्ञाता हो सकेगा।
- कार्यक्रम भारत के प्राचीन साहित्य एवं संस्कृति का परिचायक है। अतः विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से पूर्ण परिचित हो सकेगा।
- समाज के विविध पक्षों का प्रबल पक्षधर है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी सभी प्रकार के रिश्तों एवं व्यवहार को जानने में सक्षम होगा।
- पाठ्यक्रम संस्कृत के प्रमुख लक्षण ग्रन्थों का ज्ञान करायेगा।
- कार्यक्रम संस्कृत की सभी विधाओं यथा–उपन्यास, नाटक, नाटिका, महाकाव्य, लक्षण ग्रन्थ आदि का पूर्ण ज्ञान कराता है। अतः छात्र किसी भी क्षेत्र में अपनी विषय विशेषता प्राप्त कर सकता है।

Programme Specific Out Come

आचार्य (संस्कृत साहित्य) कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् छात्र विविध क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकता है।

- छात्र प्रशासनिक सेवा में जा सकता है।
- शोधकार्य कर सकता है।
- शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा सभी क्षेत्रों में अध्ययन–अध्यापन कर सकता है।
- सरकारी क्षेत्र में भी विविध रोजगारपरक है, यह कार्यक्रम।
- सेना में पौरोहित्य कार्य के लिये धर्मगुरु का पद सृजित है, इस पद हेतु भी वह अर्ह है।
- नाटक–नाटिका आदि के सूक्ष्म तत्वों को समझकर वह इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकता है।
- वह समाज में पौरोहित्य कर्म भी करा सकता है।
- अनुवादक के रूप में भी वह अपना भविष्य सृजित कर सकता है।

ORIENTAL SANSKRIT
CBCS SYLLABUS, FACULTY OF ARTS
UNIVERSIT OF LUCKNOW

आचार्य (I Sem)

Part	Semester	Course Code	Course Title	Credit	Internal Marks	External Marks
1	I	OSCC 01	काव्य प्रकाश 1–3 उल्लास	04	30	70
		OSCC 02	काव्य प्रकाश 6–8 उल्लास	04	30	70
		OSCC 03	नैषधीयचरितम् 1–4 सर्ग	04	30	70
		OSCC 04	वेणीसंहार	04	30	70
		OSCDSE 01 OSCDSE 02 MOOK	मृच्छकटिकम् पुराणः भागवत एवं दुर्गा सप्तशती (कोई एक)	04	30	70
		OSGEC 01 OSGEC 02	व्यावहारिक संस्कृत संस्कृत गद्य साहित्य का इतिहास (कोई एक)	04	30	70
			Total	24		

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
प्राच्य संस्कृत विभाग, पाठ्यक्रम विवरण
आचार्य प्रथम सेमेस्टर
विषय संस्कृत साहित्य

Course Code – OSCC01 – काव्य प्रकाश 1 से 3 उल्लास

Course Out Come – काव्य प्रकाश ग्रन्थ काव्य के विविध पक्षों को स्पष्ट करने वाला लक्षण ग्रन्थ है। साहित्य के विद्यार्थियों को इसका ज्ञान अवश्य होना चाहिए। इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वह काव्य के लक्षण, प्रयोजन आदि को समझ सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course काव्य प्रकाश

अन्विति विभाजन – Unitwise Division

वर्ग – 1. काव्य प्रकाश प्रथम उल्लास

वर्ग – 2. काव्य प्रकाश द्वितीय उल्लास लक्षणा पर्यन्त

वर्ग – 3. काव्य प्रकाश द्वितीय उल्लास समाप्ति पर्यन्त

वर्ग – 4. काव्य प्रकाश तृतीय उल्लास

वर्ग – 5. ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार का परिचय

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **काव्य प्रकाश–श्री निवास शास्त्री**
2. **काव्य प्रकाश**–कवि चन्द्र विश्वनाथ कृत विवर्णी टीका सहित–सुरेन्द्र नाथ खड्गडी
3. **काव्य प्रकाश**–मम्मट–डॉ0 सत्यव्रत सिंह
4. **काव्य प्रकाश**–आचार्य विश्वेश्वर

Course Code – OSCC02 – काव्य प्रकाश 6 से 8 उल्लास।

Course Out Come – काव्य प्रकाश के अध्ययन से विद्यार्थी काव्य के सभी रस, छन्द, अलंकार, गुण, दोष आदि से भलिभांति परिचित हो पायेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** काव्य प्रकाश :

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. षष्ठ उल्लास

वर्ग – 2. सप्तम उल्लास

वर्ग – 3. सप्तम उल्लास रस दोष

वर्ग – 4. अष्टम् उल्लास

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **काव्य प्रकाश–मम्मट – डा0 सत्यव्रत सिंह**
2. **काव्य प्रकाश मम्मट– आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी।**
3. **काव्य शास्त्र का इतिहास।**
4. **काव्य प्रकाश–श्री** निवास शास्त्री।

Course Code – OSCC03 – नैषधीयचरितम् 1 से 4 सर्ग

Course Out Come – नैषधीयचरितम् महाकाव्य के सभी लक्षणों को पूर्ण करने वाला महान महाकाव्य है। इसका अध्ययन शोध आदि कार्यों में सहायता प्रदान करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** नैषधीयचरितम्

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. प्रथम सर्ग

वर्ग – 2. द्वितीय सर्ग

वर्ग – 3. तृतीय सर्ग

वर्ग – 4. चतुर्थ सर्ग

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. नैषधीयचरितम् – दीपशिखा, रामनारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
2. नैषधीयचरितम् – मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. नैषधीयचरितम् – सुरेन्द्र देव शास्त्री, गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थ माला, वाराणसी।
4. नैषधीयचरितम् –सूर्यदेव शास्त्री, चौखम्बा ओरियष्टालिया, वाराणसी।
5. नैषधीयचरितम् – शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

Course Code – OSCC04 – वेणी संहार

Course Out Come – वेणी संहार एक नाटक है, जो महाभारत की कथा से प्रेरित है। इसमें अध्ययन से छात्र नाटक के सभी प्रमुख तत्वों एवं महाभारत के विविध पक्षों से परिचित हो सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course वेणी संहार

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. प्रथम तथा द्वितीय अंक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

वर्ग – 2. तृतीय तथा चतुर्थ अंक (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

वर्ग – 3. पंचम् अंक (व्याख्या)

वर्ग – 4. षष्ठ अंक (व्याख्या)

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. वेणी संहार – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. वेणी संहार – नाग प्रकाशन, देहली।
3. संस्कृत नाटक – ए0बी0 कीथ।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बल्देव उपाध्याय।

Course Code – OSCDSE01 – मृच्छकटिकम्

Course Out Come – मृच्छकटिकम् महाकवि शूद्रक रचित 10 अंकों का नाटक है। नाट्यक्षेत्र में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिये यह कोर्स अत्यन्त सहायक रहेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** मृच्छकटिकम्

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. 1 तथा 2 अंक

वर्ग – 2. 3, 4 तथा 5 अंक

वर्ग – 3. 6, 7 तथा 8 अंक

वर्ग – 4. 9 तथा 10 अंक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. मृच्छकटिकम्– (पृथ्वीधर कृत टीका सहित) निर्णय सागर प्रेस, बम्बई।
2. मृच्छकटिकम् – विश्वनाथ शर्मा हंसा प्रकाशन, जयपुर।
3. संस्कृत नाटक – ए0बी0 कीथ– मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. महाकवि शूद्रक – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।

Course Code – OSCDSE02 – पुराणः भागवत एवं दुर्गा सप्तशती

Course Out Come – यदि विद्यार्थी इस कोर्स का चयन करता है तो वह भारतीय देवत्वभाव, संस्कृति एंव शक्ति के स्वरूप को विशद रूप से जान सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course**

1. भागवत पुराण
2. दुर्गा सप्तशती

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. भागवत पुराण का परिचय एवं व्याख्या

वर्ग – 2. भागवत पुराण की कथा, विषयवस्तु एवं व्याख्या

वर्ग – 3. दुर्गा सप्तशती का परिचय एवं व्याख्या

वर्ग – 4. दुर्गा सप्तशती की विषयवस्तु एवं व्याख्या

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **भागवत पुराण** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. A Critical Study of the srimad- Bhagvata, Banaras Hindu University, Varanasi, 1969.
3. **दुर्गा सप्तशती** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. **देवी भागवत पुराण** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
5. **दुर्गार्चन पद्धति।**

Course Code – OSGEC 01 – व्यावहारिक संस्कृत

Course Out Come – इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से नित्य प्रतिदिन के पूजाकर्म, त्योहार आदि पर होने वाली विधि, पूजा विधि, व्रत विधि आदि

का ज्ञान प्राप्त होता है। इसके अध्ययन के पश्चात छात्र पौरोहित्य कर्म में प्रवीण हो सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course**

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. सत्यनारायण कथा, एकादशीव्रत, त्रयोदशीव्रत पूजा विधान

वर्ग – 2. विवाह संस्कार, नामकरण संस्कार एवं यज्ञोपवीत संस्कार विधि

वर्ग – 3. रूद्राभिषेक विधियाँ

वर्ग – 4. विविध यज्ञ विधान

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **सत्यनारायण व्रत कथा** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. **कर्मठ गुरू** – मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. **नित्य पूजा प्रकाश** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. **रूद्राष्टाध्यायी** – गीता प्रेस, गोरखपुर।
5. **पाराशर गृह सूत्र** –
6. **याज्ञवल्क स्मृति** –
7. **कर्म कौमुदी** – प्रो0 वी0के0 शुक्ल
8. **हिन्दू संस्कार** – डा0 राजबलि पाण्डेय
9. **संस्कार प्रकाश** – भवानी शंकर त्रिवेदी
10. **आपस्तम्बीय कर्म मीमांसा** – डा0 प्रयाग नारायण मिश्र
11. **धर्मशास्त्र का इतिहास** – पी0वी0 काणे

Course Code – OSGEC 02 – संस्कृत गद्य साहित्य का इतिहास

Course Out Come – इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृत गद्य साहित्य के इतिहास से परिचित हो सकेगा तथा काव्य की विविध विधाओं के सूक्ष्म तत्वों को जान सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course**

संस्कृत गद्य साहित्य का इतिहास

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. संस्कृत साहित्य का परिचय

वर्ग – 2. संस्कृत साहित्य की विविध विधाएँ

वर्ग – 3. प्राचीन संस्कृत गद्य साहित्य

वर्ग – 4. आधुनिक संस्कृत गद्य विधाएँ

वर्ग – 5. प्रमुख गद्य कवि एवं कृतियाँ।

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **संस्कृत साहित्य का इतिहास**– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
2. **संस्कृत साहित्य का इतिहास**– आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3. **संस्कृत गद्य साहित्य का इतिहास**– चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।